Patrika (Indore), 14th September 2023, Front Page – plus 06 (P. 14)

#IITINDORE: कोविड से मृत्यु पर आइआइटी इंदौर का रिसर्च

शोध में खुलासा, कोरोना मरीजों में फेरोप्टोसिस का एक वैकल्पिक सेल, नेक्रोप्टोसिस रहा मृत्यु का बड़ा कारण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के एक शोध से यह पता चला है कि कोविड-19 रोगियों के मामलों में नेक्रोप्टोसिस भी मृत्यु का एक कारण है, जबकि कोविड रोगियों के शरीर में सीरम फेरिटिन बढ़ना मृत्यु का प्राथमिक कारण था।

कुछ ऐसी मृत्यु तब भी हुई जब सीरम फेरिटिन नहीं बढ़ रहा था। इसके चलते मृत्यु के कारणों का पता लगाने के लिए आइआइटी ने यह एक रिसर्च किया। बायोसाइंसेज और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और इस अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता डॉ. हेमचंद्र झा ने कहा कि सीरम फेरिटिन कोविड-19 की गंभीरता का एक महत्वपूर्ण मार्कर है और फेरोप्टोसिस द्वारा सेल डेथ से भी जुड़ा है। यह अध्ययन कम सीरम फेरिटिन रोगियों से जुड़ी सेल डेथ की मेथोडोलॉजिकल समझ पैदा करता है। इस रिसर्च से वायरल असेंबली में इसकी भूमिका से अलग एसएआरएस-सीओवी-2 ई प्रोटीन के कार्यों का पता चला है। निष्कर्षों ने एन्वेलप प्रोटीन मध्यस्थ सेल डेथ मैकेनिज्म, विशेष रूप से नेक्रोप्टोसिस का खुलासा किया है, जो प्रतिष्ठित एपोप्टोसिस जर्नल में प्रकाशित हुआ है। यह प्रोटीन लाइसोसोमल पीएच को बढ़ाता है और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल-लंग एक्सिस में सूजन को ट्रिगर करता है। इस प्रकार लाइसोसोम गतिविधि को अनियमित करता है और गट-लंग एक्सिस में सेल डेथ मैकेनिज्म को बढ़ाता है। इस शोध को आइसीएमआर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय व भारत सरकार के आयुष मंत्रालय सीसीआरएएस से सहायता मिली।